مجموعه پوستر

محکومیت آل سعود در حادثه منی

زبان هندی

आले सऊद ने हाजियों की हत्या और ईश्वर के मेहमानों के ख़ून की होली खेलकर न केवल अल्लाह के हरम को ख़ून से रंग दिया है बल्कि मुसलमानों को दुखी और अज़ादार बना दिया है।

दुनिया के मुसलमान इस दाग़ को कहां ले जाएं कि सऊदी बादशाहों ने हज को जो कि बंदगी, ज़ोहद, अध्यात्म, ईश्वर की तरफ़ वापस आने और एक रंग में ढल जाने का त्योहार है को ग़रीबी और अमीरी के युद्ध में बदल कर रख दिया है कि जहां एक शहज़ादे के लिये रास्तों को बंद कर दिया जाता है और अल्लाह के घर के हज़ारों श्रद्धालु कुचल कर मारे जाते हैं।

अल्लाह, रसूल और हाजियों के ख़ाएन और गुस्ताख़ अधिकारियों ने हाज़ियों से क्षमा तक नहीं मांगी और बेकार की बहाने बनाकर अपने आप को बचाने में लगे हुए हैं।
TVShia.com

इसमें कोई संदेह नहीं है
कि यह दुर्घटना देखने
में कुप्रबंध के कारण
घटी लगती हैं लेकिन
वास्तव में यह जानबूझ
कर और इब्राहीमी हज
को नीचा दिखाने के
लिये किया गया है
ताकि मुसलमान ईश्वर
की पवित्र धरती पर
इस्लामी दुनिया की
समस्याओं के बारे में
बात न कर सकें और
कोई इस बारे में न सोंच
सकें कि आख़िर क्यों
आज हर रात बीस
लाख यमनी
मुसलमान भूखे
प्यासे सो
जाते हैं ?

TVShia.com

यहीं यहूदीज़ादे, बलअम बाऊरा के अनुयायी थे जिन्होंने 1407 हि0 में यहूदी जनरल उलरिच वेगनर के नेत्रत्व में अल्लाह के घर के हज़ारों श्रद्धालुओं को जिनका लक्ष्य एकता का नारा लगाना था ख़ून से रंग दिया था, वह भी उस स्थान पर जहां एक जानवर को भी मारना पाप है और उस महीने में जिसमें शत्रु से भी युद्ध करना हराम है।

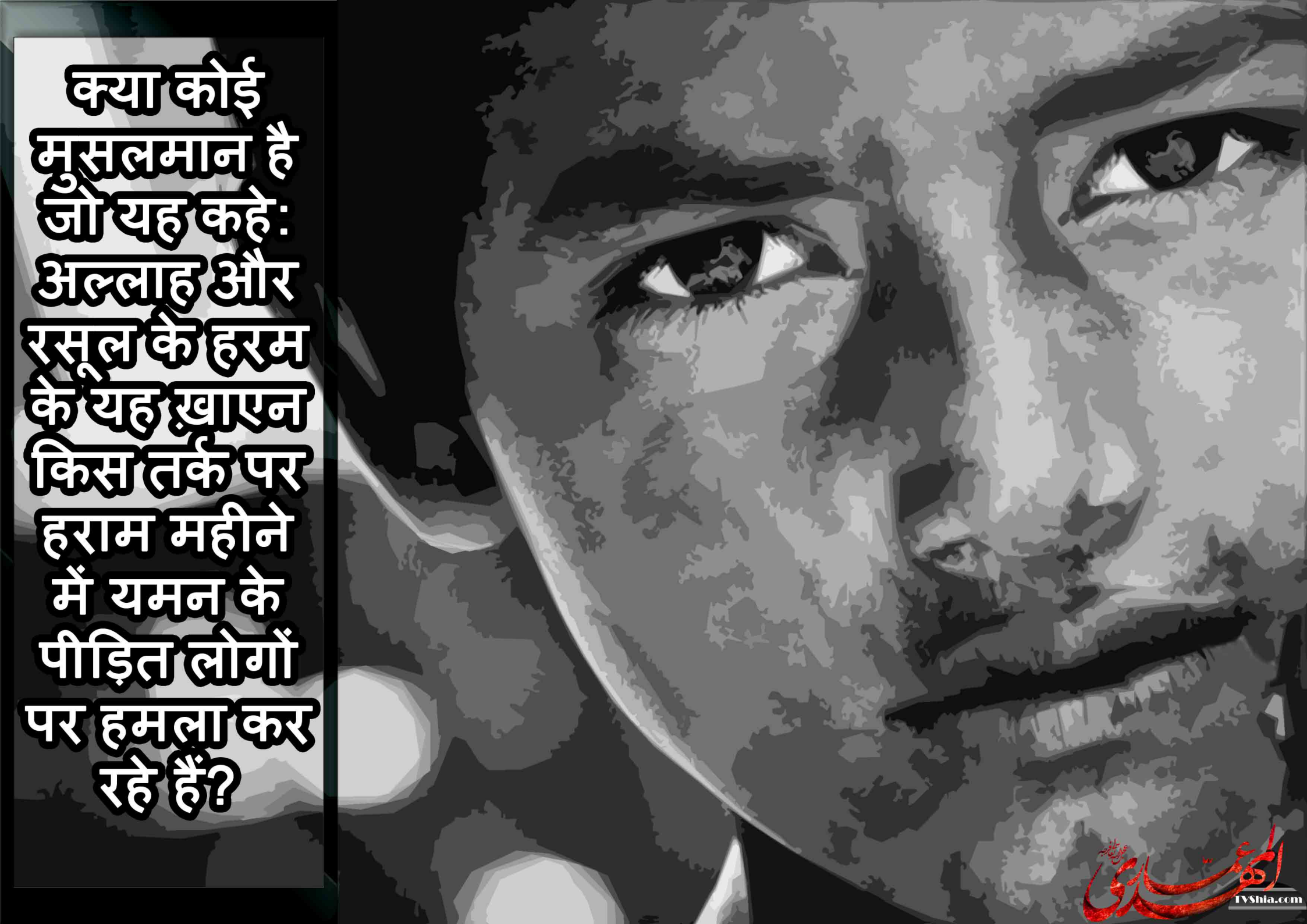
क्या कोई मुसलमान है जो यह कहे: अल्लाह और रसूल के हरम के यह ख़ाएन किस तर्क पर हराम महीने में यमन के पीड़ित लोगों पर हमला कर रहे हैं?
TVShia.com

يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُواْ لاَ تَتَّخِذُواْ الْيَهُودَ وَالنَّصَارَى أَوْلِيَاء

المائده ۵۱

क्या कारण है कि यह यहूदियों और ईसाईयों से दोस्ती करते हैं और हज में मुसलमानों का क़त्लेआम ?करते हैं

TVShia.com

इस्लामी दुनिया के लिये आले सऊद नई सेवाएं

मिना

शरणार्थी

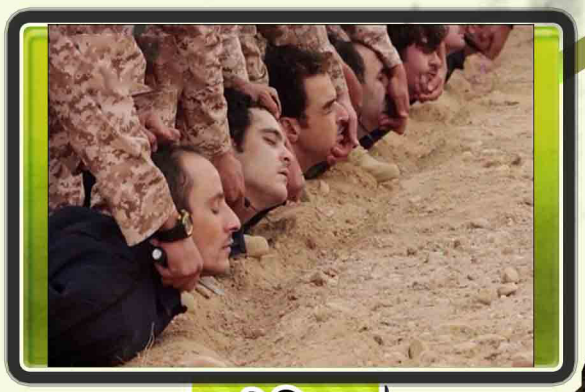

सीरिया

मक्का

यमन

इराक़

क्या वास्त में आले सऊद के भ्रष्ट शहज़ादों की जान इतनी क़ीमती है कि उनकी सुविधा के लिये रास्तों को बंद कर दिया जाए और 4 हज़ार से अधिक हाजी अल्लाह को प्यारे हो जाएं? मुसलमानों के दुखी परिवारवालों क्या जवाब दिया जा सकता है? हां अगर पहले यमन बहरैन और सीरिया के पीड़ितों के लियें कोई जवाब दिया जा सका तो उनको भी जवाब दिया जा सकेगा।

TVShia.com

अगर चालीस लाख लोगों के प्रबंधन की योग्यता नहीं है तो हज के कार्यों का प्रबंधन उन हाथों में क्यों नहीं दे देते जो अरबईन में दो करोड़ लोगों के लिये प्रबंध करते हैं वह भी बिना किसी मौत के।

https://en.wikipedia.org/wiki/List_of_largest_peaceful_gatherings_in_history

List of largest peaceful gatherings in history

Over 10 million [edit]

See also: Imam Husayn Shrine

- An estimated 19 million pilgrims gathered in Karbala, Iraq for the Arba'een in December 2014.[3][4][5][6][7][7][8]
- An estimated 15 to 18 million people visited the shrine of Husayn ibn Ali in Karbala, Iraq during Arba'een in January 2013.[9][10][11][12]
- An estimated 15 to 18 million people visited the shrine of Husayn ibn Ali in Karbala, Iraq during Arba'een in 2012.[13][14][15][16]
- An estimated 15 million people visited the shrine of Husayn ibn Ali in Karbala, Iraq during Arba'een in 2011.[17]
- An estimated 12 million people visited the shrine of Imam Musa al-Kadhim seventh Imam of Shia in Kadhimiya, Iraq during martyrdom of Imam Musa al-Kadhim in 2015.[18]

आले सऊद, ख़ाएनुल हरमैन द्वारा हज में किये गए अपराधों पर इमाम ख़ुमैनी का ऐतिहासिक बयान और क्रांति का परिप्रेक्ष्य

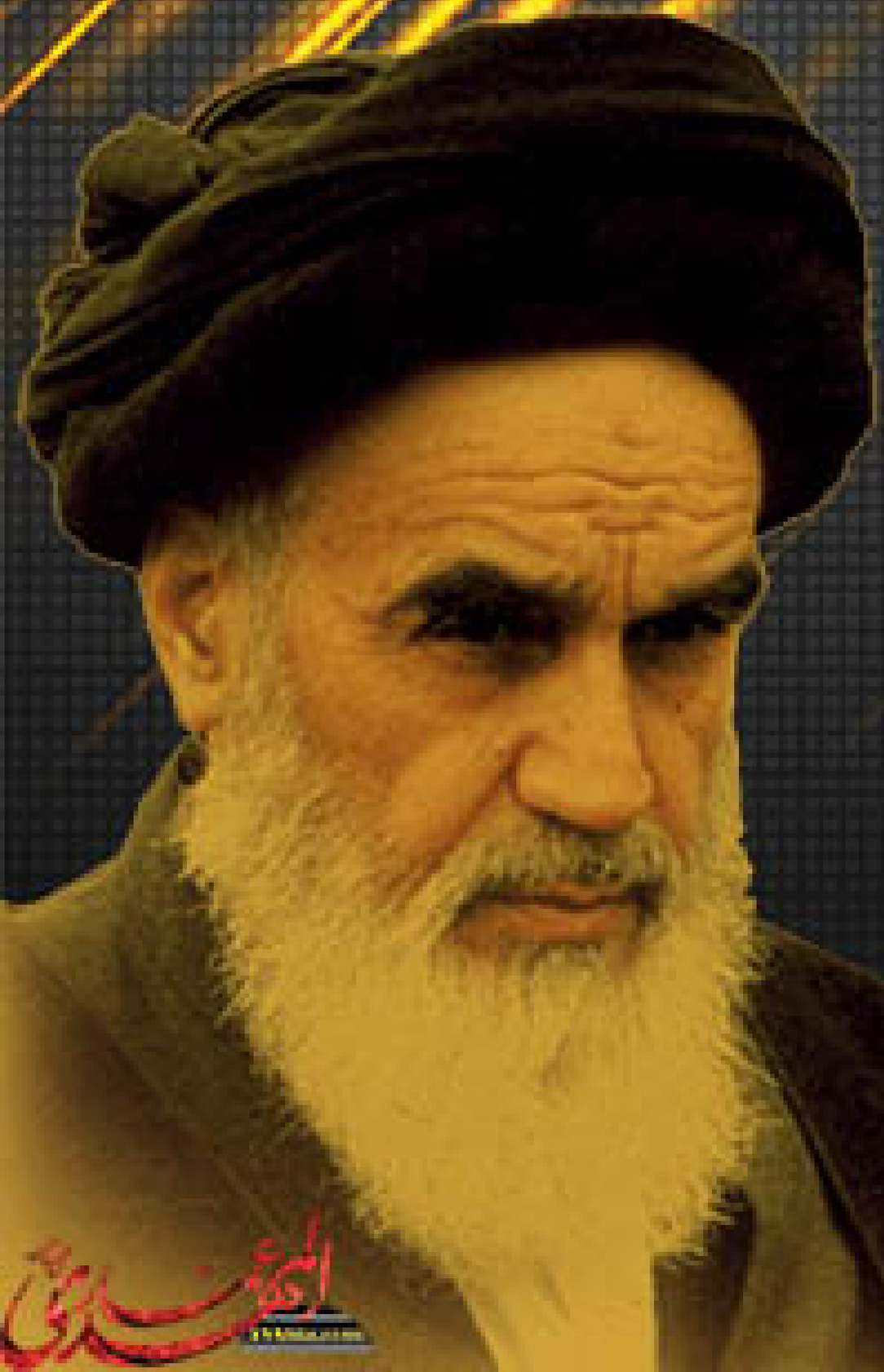

अगर हम सद्दाम के ज़ुल्म को भुला भी दें तो भी आले सऊद को क्षमा नहीं कर सकते।